ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

2-04-2024

बापदादा से तो मिलन मनाते हो लेकिन बड़े से बड़ा मिलन है आपस में संस्कारों का मिलन। जब यह संस्कार मिलन हो जायेगा तब जयजयकार होगी, इसके लिए मधुरता के गुण को धारण करो। कटाक्ष के बोल वा कटु बोल नहीं बोलो।

Perform the dance of harmonising sanskars.

You celebrate a meeting with BapDada, but the greatest meeting is to harmonise sanskars amongst yourselves. When these sanskars are harmonised there will be cries of victory. For this, imbibe the virtue of sweetness. Don't speak sharp or taunting words.